मुख्यमंत्री ने कौशल मेले के उद्घाटन में कहा, कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत, आईटीआई में विदेशी भाषा सिखाएं

वैश्विक मांग के अनुरूप युवाओं को तराशें: योगी

संबोधन

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि काम की कोई कमी नहीं है। यूपी ही नहीं देश-दुनिया में कुशल मानव संसाधन की बहुत जरूरत है। ऐसे में इस मांग के अनुरूप हमें युवाओं को तराशना होगा। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजधानी स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल मेले व प्रदर्शनी का उन्होंने उद्घाटन किया। पांच कौशल रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सभी आईटीआई में विदेशी भाषा जरूर सिखाएं : कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत हैं। ऐसे में युवा जिस भी ट्रेड में प्रशिक्षण लें उसमें ए-टू-जेड नॉलेज हासिल करें। स्किलफुल बनें कोई भी ताकत आपको रोजगार पाने से रोक नहीं सकती। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में विदेशी भाषा अनिवार्य रूप से सिखाई जाए। क्योंकि जर्मनी व जापान इत्यादि देशों में यूपी के कुशल युवाओं की बहुत मांग है और इसे हमें पूरा करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2029 तक यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर बनाना है। ऐसे में युवाओं को कुशल बनाकर इस लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है। सीएम ने कहा कि सीएम युवा योजना में अब तक करीब 50 हजार युवाओं को ब्याज मुक्त कर्ज मिल चुका है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 15 यूथ आइकन को सम्मानित किया। जिन्होंने कौशल विकास का प्रशिक्षण हासिल कर बेहतर रोजगार हासिल किया। इसमें निर्मल कुमार, पूजा पाल, मुजीब खान, पूजा विश्वकर्मा, किरण निषाद, भूपेन्द्र कुमार, विक्की कुमार, शुभम राजपूत, अभिषेक, रूचि, मनीषा सोनकर, कंचन, संतोष पाल, निशा जायसवाल व संतोष पाल शामिल हैं। कार्यक्रम में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने कहा कि बीते आठ वर्षों में कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए। 212 राजकीय आईटीआई को टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आठ हजार करोड़ की लागत से अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल मेले में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया।

परंपरागत पाठ्यक्रमों पर भी रहे युवाओं का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि न्यू एज कोर्स जिसमें एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी व थ्री डी प्रिंटिंग इत्यादि पाठ्यक्रमों के साथ ही विद्यार्थियों को परंपरागत पाठ्यक्रम जैसे प्लंबरिंग, इलेक्ट्रिशियन और कारपेंटर इत्यादि भी पढ़ाया जाए। क्योंकि इस क्षेत्र में कुशल श्रमिकों की बहुत मांग है। ऐसे में इसे विस्मृत न करें।

2029

तक यूपी की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डालर बनाना है। युवाओं को कुशल बनाकर इस लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकता है।

- **पांच कौशल रथों को रवाना किया**
- **सीएम युवा योजना में अब तक 50 हजार को कर्ज**

रोबोट व स्मार्ट डस्टबिन के मॉडल

आईटीआई व कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के विद्यार्थियों ने करीब 100 से अधिक स्टाल प्रदर्शनी में लगाए। जिसमें डिलीवरी रोबोट व सेंसर से खुलने वाला स्मार्ट डस्टबिन भी प्रदर्शित किया गया। रेस्टोरेंट व होटल में लोगों को भोजन परोसने के लिए डिलीवरी रोबोट यहां विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित किया गया।

विभिन्न उत्पादों के स्टॉल लगे

हैंडीक्राफ्ट, परिधान और खानपान के स्टाल यहां पर लगाए गए। विद्यार्थियों के साथ-साथ संस्थाओं ने भी स्टाल लगाकर अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया। आचार, मुरब्बा, सिरका के साथ-साथ हरियाणा के मशहूर घेवर और मोटे अनाज के पकवानों को भी प्रदर्शित किया गया। लोगों ने पकवानों का स्वाद भी चखा। अयोध्या का सिरका, आगरा का पेठा और प्रतापगढ़ के आंवले के बने खाद्य पदार्थों की खूब बिक्री हुई। कौशल मेले व प्रदर्शनी में सबसे अधिक महिला उद्यमियों और ग्रामीण बेटियों की भागीदारी रही।